प्रादर्श प्रश्नपत्र – I

विषय – हिन्दी विशिष्ट (001)

कक्षा 10वीं

समय – 3 घण्टे पूर्णांक – 75

सामान्य निर्देश :–

(1) प्रश्न क्रमांक 01 वस्तुनिष्ठ है जिसके तीन खण्ड है – अ, ब, स प्रत्येक प्रश्न के 01अंक दिये जायेंगे।

(2) प्रश्न क्रमांक 2 से 6 अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। आवश्यक शब्द सीमा 30 शब्द तथा निर्धारित अंक 03।

(3) प्रश्न क्रमांक 7 से 10 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न है। आवश्यक शब्द सीमा 50 शब्द तथ निर्धारित अंक 03।

(4) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। आवश्यक शब्द सीमा 75 शब्द तथा निर्धारित अंक 04।

(5) प्रश्न क्रमांक 16 से 17 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। जिसके लिए आवश्यक शब्द सीमा 100 शब्द है तथा निर्धारित अंक 05।

(6) प्रश्न क्रमांक 18 दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। जिसके लिये आवश्यक शब्द सीमा 250 से 300 तथा निर्धारित अंक 08।

प्रश्न क्रमांक 1 (अ) :– नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर चुनकर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के सही उत्तर पर 01 अंक निर्धारित है।

(1×5=5)

(1) ' बालारूण ' शब्द का सही अर्थ हैं –

(अ) डूबता हुआ सूरज (ब) उगता हुआ सूरज

(स) चलता हुआ सूरज (द) जलता हुआ सूरज

(2) कणाद कौन थे ?

(अ) धर्म (ब) ऋषि

(स) नेता (द) कण

(3) 'माटीवाली गद्य की कौन सी विधा है –

(अ) निंबध (ब) जीवनी

(स) कहानी (द) रेखचित्र

(4) 'दुब्बर बर दु असाढ़ '' का अर्थ है –

(अ) गरीब पर दोहरा आर्थिक भर पड़ना। (ब) दो बार असाढ़ का आना।

(स) दुख झेलनना। (द) दुबला पतला होना।

(5) ठूँठ का पेड़' प्रतीक हैं –

(अ) जड़ता (ब) निर्जीवता

(स) दृढ़ता (द) स्थितरता

प्रश्न क्रमांक 1 (ब) :— रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए — (1×5=5)

(1) जेबकतरे को लेखक के जेब से कुल.....................................रूपये मिले।

(2) घीसा ने अपने गुरू साहब को उपहार में ....दिया।

(3) ' विजन' का शब्दिक अर्थ..है।

(4) हठीली अलसी में ....अलंकार है।

(5) वीर नारायण सिंह ....के जमींदार थे।

प्रश्न क्रमांक 1 (स) :— उचित संबंध जोड़िए — (1×5=5)

अ	ब
(1) अपनी अपनी बीमारी	(अ) पुरस्कार
(2) मधुलिका	(ब) अर्ध्द सम मात्रिक
(3) पंडवानी	(स) आरसी प्रसाद सिंह
(4) बरवैछंद	(द) तीजन बाई
(5) जीवन और यौवन का कवि	(ई) हरिशंकर परसाई

प्रश्न क्रमांक 2 :— विन्धय और सतपुड़ा को लेखक ने किस रूप में चित्रित किया हैं? (2)

प्रश्न क्रमांक 3 :— जब जनता की भौंहे क्रोध में तन जाती हैं तो क्या क्या होता हैं? (2)

प्रश्न क्रमांक 4 :— लक्षणा शब्द शाक्ति को उदाहरण सहित समझाइए । (2)

प्रश्न क्रमांक 5 :— कविता में अतिथियों और चिड़ियों में दो समानताएँ लिखिए। (2)

प्रश्न क्रमांक 6:— सममार्गी शाखा के दो कवि के नाम व उनकी एक — एक रचना के नाम लिखिए। (2)

प्रश्न क्रमांक 7:— कविता में एक माँ के द्वारा अपनी बेटी को किस तरह की सीख दी गई है? वह वर्तमान में कितनी प्रासंगिक और औचित्यपूर्ण हैं? (3)

प्रश्न क्रमां 8 :— छत्तीसगढ़ की जनता के बीच वीर नारायण सिंह की लोकप्रियता के कारण क्या हैं ? (3)

प्रश्न क्रमांक 9 :— '' भाई रे! ऐसा क्या पंथ हमारा '' कविता में दादू के पंथ के बारे में क्या क्या बताया गया हैं। (3)

प्रश्न क्रमांक 10 :— प्रगातिवाद की तीन विशेषताएँ लिखिए। (3)

प्रश्न क्रमांक 11 :— वर्तमान में मजदूरों की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (4)

अथवा

परसाई जीनेटैक्स को बीमारी क्यों कहा हैं? वे इसे क्यों अपनाना चाहते हैं?

प्रश्न क्रमांक 12 :– '' काबर अगास ला नापत हौ।'' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं? (4)

अथवा

मरिया प्रथा ने सिुमार की जिन्दगी को किस तरह बदल दिया?

प्रश्न क्रमांक 13 :– '' जीवन का झरना '' कविता में मानव का मृत हो जाना क्यों और कब बताया गया हैं? (4)

अथवा

कविता के शीर्षक '' साध से जीवन की जिन अभिलाषाओं का बोधा होता हैं उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न क्रमांक 14 :– निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए – (4)

'' अमल धवलगिरि के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है।
छोटे – छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है
बादल को घिरते देखा ।''

अथवा

'' मैं यहाँ स्वच्छन्द हूँ
जाना नहीं है।
चित्रकूट की अनगढ़ चौड़ी
कम ऊँची – ऊँची पहाड़ियाँ
दूर दिशाओं तक फैली हैं।
बाँझ – भूमि पर
इधर – उधर रींवा के पेड़
काँटेदार कुरूप खड़े हें। ''

प्रश्न क्रमांक 15 :– निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए – (5)

'' गोधूलि, उसके अनुसार पराजय की घड़ी थी, जब पराजित तथा निराष स्त्री – पुरूष अपने को लोगों की नजरों से छिपा कर यहाँ आ बैठते थे। ऐसी घड़ी में उनके हाव– भवा, वेशभूषा में कोई कृत्रिमता नहीं होती थी। उलटे वे उनकी ओर से उदासीन रहते थे, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उस मनःस्थिति में लोग पहचान पाएँ।''

अथवा

'' यदि तुम्हारे पास चार पैसे हों तो तीन पैसे जमा करो और एक खर्च। यदि अधिक खर्चीले हो तो दो जमा करो और दो खर्च। यदि बेहद खर्चीले हो तो एक जमा करो और तीन खर्च। इसके बाद भी तुम्हारा मन न माने तो चारों खर्च कर डालो, मगर फिर पाँचवाँ पैसा किसी से उधार मत माँगो। उधार की वृत्ति लेखक की आत्मा को हीन और मलीन कर देती है।''

प्रश्न क्रमांक 16 :– अपने क्षेत्र में पेड़ – पौधों के अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए जिलाधिकारी को एक पत्र लिखिए। (5)

अथवा

आपका ना अंकुर शर्मा है। अपने मित्र दीपक को उसके अनुत्तीर्ण हो जाने पर संवेदना प्रकट करते हुए एक प्रेरक पत्र लिखिए जिससे वह इस बार अच्छी तैयारी के साथ उत्साहपूर्वक परीक्षा में बैठे।

प्रश्न क्रमांक 17 :– निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।:– (कोई – 5) (5)

'' बातचीत करने की कला, उसकी सूक्ष –बूझ और वाक्‌पटुत्पा व्यक्ति की शोभा है, जो उसे आकर्षक बनाती हैं। श्रेष्ठ वक्ता अपार जन समूह को मुग्ध कर देता हैं। मित्रों, संबंधियों और समाज व संस्था के बीच सम्मान व स्नेह का पत्र बन जाता है। जो लोग तिल का ताड़ बनाने जैसी बातें करने हैं वे न केवल अपना बल्कि दूसरों को समय भी नष्ट करते हैं। साथ ही श्रोता के धैर्य की परीक्षा ले लेते हैं। विषय से हटकर बोलने वाले, अकारण अपनी बात खींचने के लिए विसंगत मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग कर उच्च स्वर में बोलने वाले ऊबाऊ होते हैं, ऐसे वक्ता से हर कोई दूरी बनाने का प्रयास करता हैं। श्रेष्ठ व कुशल वाचन के लिए वाणी का अनुशासन संयम, संतुलन, माधुर्य, स्वर पट्‌टी आवश्यक होती हैं। ऐसे गुणों से युक्त वक्ता को लोग अपनी स्मृतियों में रखकर अमरत्व प्रदान कर देते हैं। कम बोलने वाला, सदैव चुप बैठने वाला, परिस्थिति की माँग पर भी प्रतिक्रिया न करने वाले को श्रेष्ठ स्त्रोता भी नहीं कहा जा सकता। वह अपनी प्रतिभा व अभिव्यक्ति का दमन कर जिंदा लाश की तरह है, अकर्मण्य होता है। अतः वाचन कौशल के लिए वाणी का तप आवश्यक है जिसमें सार्थकता हितकारी, मृदृभाषी होना चाहिए।''

प्रश्न– (1) व्यक्ति को आकर्षक कौन बनाता हैं?
(2) श्रेष्ठ वक्ता की क्या विशेषता है?
(3) कैसे लोग समय का दुरूपयोग करते हैं?
(4) किस प्रकार के वक्ता से लोग समीपता बनाना नहीं चाहते हैं?
(5) श्रेष्ठ व कुशल वाचन के क्या मापदण्ड हैं?
(6) किस प्रकार के लोग श्रेष्ठ स्त्रोता बनने लायक नहीं हैं?
(7) वाणी के तप के लिए क्या आवश्यक हैं?

प्रश्न क्रमांक 18 :– निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(1) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।

(2) छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल।

(3) इंटरनेट की भूमिका।

(4) प्लास्टिक : एक ज्वलंत समस्या।

(5) भूजल का गिरता स्तर।

–––––000––––––